स्वतंत्रता दिवस-२०२६

माननीय कुलपति आचार्य राज कुमार मित्तल जी का संदेश

८०वें स्वतंत्रता दिवस के गौरवपूर्ण अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार के समस्त शिक्षकगण, अधिकारीगण, कर्मचारीगण, विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएँ।

स्वतंत्रता केवल पराधीनता से मुक्ति का नाम नहीं, बल्कि यह राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों, उत्तरदायित्वों और संकल्पों को निरंतर निभाने का अवसर भी है। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान से प्राप्त इस अमूल्य स्वतंत्रता का सार्थक उपयोग विकसित, आत्मनिर्भर, ज्ञानसम्पन्न और सशक्त भारत के निर्माण में करना हम सभी का दायित्व है।

यह दिवस हमें उन महान स्वतंत्रता सेनानियों और अमर बलिदानियों के त्याग एवं संघर्ष का स्मरण कराता है, जिनके बलिदान से हमें स्वतंत्र भारत में अपने सपनों को साकार करने का अवसर मिला। उनके सपनों के भारत को सशक्त और समृद्ध बनाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। आज भारत अपनी ज्ञान-शक्ति, युवा शक्ति, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के बल पर विश्व पटल पर नई पहचान स्थापित कर रहा है।

भारत आज स्वतंत्रता की शताब्दी वर्ष **२०४७** की ओर बढ़ रहा है। विकसित भारत का निर्माण केवल आर्थिक प्रगति से नहीं, बल्कि **ज्ञान, विज्ञान, नवाचार, शिक्षा, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण और मानवीय मूल्यों** के समन्वय से होगा। इस राष्ट्रीय संकल्प में विश्वविद्यालयों और युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। विश्वविद्यालय केवल शिक्षा के केंद्र नहीं, बल्कि **राष्ट्र निर्माण, अनुसंधान, नवाचार और सामाजिक परिवर्तन के सशक्त माध्यम तथा राष्ट्र निर्माण की पाठशाला** हैं।

इस स्वतंत्रता दिवस पर हम सभी संकल्प लें कि अपने ज्ञान, कर्म, प्रतिभा और कर्तव्यबोध के माध्यम से **विकसित भारत @2047** के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएँगे। हमारा प्रत्येक प्रयास राष्ट्र की प्रगति, सामाजिक समरसता और मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ करने की दिशा में हो। **राष्ट्र सर्वोपरि की भावना से ओतप्रोत होकर हम अपने ज्ञान, प्रतिभा, कर्म और कर्तव्यबोध को राष्ट्रहित में समर्पित करें तथा आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने के लिए निष्ठा और समर्पण के साथ आगे बढ़ें।**

आपको स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। उन ज्ञात-अज्ञात वीरों को सादर नमन, जिन्होंने अपने वर्तमान का बलिदान देकर हमारे भविष्य को स्वतंत्र और सुखद बनाया।

हमारा संकल्प कि एक बेहतरऔर खुशहाल समाज और एक सशक्त भारत के निर्माण हमारा योगदान रिक्त न रह जाए।

जय हिंद I

आचार्य राज कुमार मित्तल
कुलपति
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।